bab.la
Loving Languages

Radhika (India)

काश ऐसी दनुनमा होती जहाॊ हभ हय ददन हभाये दोस्तों के साथ काभ कयतें। मा फपय ऐसी दनुनमा जहाॊ हभ जजन-जजनके साथ काभ कयें, वो सफ हभाये दोस्त फन जाए। रेफकन, “काश” क्मों? ऐसी दनुनमा तो है, औय उसका नाभ है bab.la!

हभे मह लरखने को कहा गमा है फक हभाया अनबु व महाॊ हाम्फगु ग भें कै से यहा। इसका जवाफ दो चाय शब्द भें नह ॊ ददमा जा सकता। सच कह ॊतो दो चाय ऩन्ने बी काफ़ी नह ॊ। भेये लरमे एक फहुत अनोखा सा अनबु व यहा है। महाॊ के रोग, उनका जीना का ढॊग, उनका फोरने का तय का, सफ भेये लरमे नमा है। घय तो हभेशा घय ह यहेगा, भगय इन तीन भदहनों भें हाम्फगु ग दस ये घय जैसा फन गमा है।

महा काभ कयते भझु े फहुत ह भजा आमी। हभेशा नसीफ इतना अच्छा नह ॊ होता फक इन रोगों जैसे साथी लभरें। bab.la भें काभ ऩय आना भतरफ दोस्तों को लभरने जाना जैसे यहा है। ऐसा जजॊदगी भें फकतनी फाय भौका लभरेगा, जहाॊ आऩके काभ कयने के कभये भें नौ अरग दोशों के फायह अरग रोग हो?

bab.la का मह दफतय एक समॊ क्तु याष्ट्र सबा के सम्भेरन जैसा ददखता है। नौ देशों के (मानन फक नौ बाषाओॊ के) प्रनतननधी फैठकय अऩना काभ कयते हैं।

❖

अफ तीन भदहने महाॊ यहने के फाद जाने का वक़्त आ गमा है। आने से ऩहरे भझु रग यहा था, तीन लभदहने भतरफ सार का एक चोथा बाग, फकता रम्फा वक़्त! ऩता नह ॊ कै से ऩय मे तीन भदहने तो एक चुटक़ी भें ननकर गम!े

भें सोचती थी फक काभ का खतभ होना भतरफ ख़ुशी क़ी फात है, ना? रेफकन आज जफ भेया महाॊ bab.la से जाने का वक़्त आ गमा है, अफ भझु े रगता है फक शामद मह रयहाई नह ॊ फजकक जुदाई ह!